सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 01 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 2 फरवरी, 2023

मूल्य ₹ 3/-

यदि आप एक बार अपने साथी नागरिकों का भरोसा तोड़ दें, तो आप फिर कभी उनका सत्कार और सम्मान नहीं पा सकेंगे ।

- अब्राहम लिंकन

केन्द्र सरकार ने अपने बजट में हमारी... 7 | विशाखापत्तम को राजधानी बनाने की... 3 | मोदी सरकार के बजट से यूपी के... 2

सदन में विपक्ष का जोरदार हंगामा

सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बजट सत्र के तीसरे दिन संसद की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी दलों के सांसदों ने जमकर हंगामा काटा। विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी। राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट और अडानी ग्रुप पर चर्चा को लेकर हंगामा शुरू किया। जिसके बाद पीठासीन ने सदन की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। वहीं संसद की कार्यवाही स्थगित होने के बाद विपक्षी दलों के नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार पर हमला भी बोला। विपक्षी नेताओं ने सरकार पर महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा से भागने का आरोप लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सभी विपक्षी दलों के नेताओं ने मिलकर आर्थिक नीति में घोटालों के खिलाफ सदन में आवाज उठाने का निर्णय लिया है। इसी को लेकर हमने बिजनेस ऑवर सस्पेंड करने का नोटिस दिया और सदन में चर्चा के लिए अनुमति मांगी। खड़गे का कहना है कि हमारी मांग यही थी कि बिजनेस ऑवर को सस्पेंड कर चर्चा की जाए। लेकिन हमारे नोटिस हमेशा रिजेक्ट किए जाते हैं। महत्वपूर्ण मुद्दों पर हमें चर्चा का मौका नहीं दिया जाता है। इसीलिए हम सभी ने मिलकर यह तय किया कि सदन के भीतर एक सुर में आवाज उठाएंगे और आज एलआईसी में जिन करोड़ों लोगों का रुपया लगा है, उसको लेकर बात करेंगे। बता दें कि केंद्र की मोदी सरकार ने बुधवार को अपने दूसरे कार्यकाल का आखिरी पूर्ण बजट पेश किया था। जिसमें नौकरीपेशा वालों से लेकर गरीब-किसान और महिलाओं तक के लिए कई ऐलान किए। जाहिर है कि इस बजट में दी गई रियायतें अगले लोकसभा चुनाव में मतदाता को लुभाने के उद्देश्य से हैं। लेकिन सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों ने इसे आमजन का बजट बताया है, जबकि विपक्ष इसे चुनावी बजट बता रहा है। पूरा विपक्ष इस चुनावी बजट को लेकर सरकार पर हमलावर है। एक बात तो साफ है कि चुनावी राजनीति के हिसाब से देखें तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सरकार की तरफ से लोगों को जो भी तोहफा दिया है, वो तो सीधे-सीधे मोदी के खाते में ही दर्ज हो रहा है। बजट प्रावधानों को देखते हुए स्पष्ट कहा जा सकता है कि यह बजट 9 राज्यों के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए बनाया गया है। आर्थिक विश्लेषकों का कहना है कि केन्द्र सरकार आम जनता पर करों का बोझ तो नहीं डाल रही है, लेकिन बजट में चतुराई के साथ आगे की जेब में पैसा डालकर पीछे की जेब से निकालने की तकनीक प्रभावी रहेगी। जानकार कहते हैं कि मोदी सरकार ने 26 मई 2014 से केन्द्र की सत्ता संभाली है। साढ़े आठ साल में सरकार से जनता की नाराजगी अब खड़ी हो रही है और लग रहा है कि इसकी गंभीरता को केन्द्र सरकार भी समझ रही है।

“ हमारी मांग यही थी कि बिजनेस ऑवर को सस्पेंड कर चर्चा की जाए। लेकिन हमारे नोटिस हमेशा रिजेक्ट किए जाते हैं। महत्वपूर्ण मुद्दों पर हमें चर्चा का मौका नहीं दिया जाता है।

मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

संसद में बैठे थे विदेशी सांसद और शुरू हो गया हंगामा

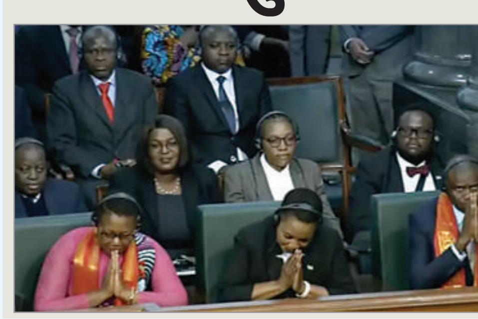

आज 11 बजे जैसे ही लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई, शोरशराबा गूंजने लगा। यह सब ऐसे समय में हुआ जब अफ्रीकी देश जाबिया से विदेशी मेहमान संसद में बैठे थे। वे लोकसभा की कार्यवाही देखने आए थे और हमसे सीखने-समझने आए थे लेकिन उन्होंने जो देखा उसकी उम्मीद शायद उन्होंने नहीं की होगी। 3-4 मिनट में ही बवाल इतना बढ़ा कि स्पीकर को सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।

“ मोदी सरकार जेबकटवा सरकार है। सरकार लोगों की जेब से हजार रुपये लेकर उन्हें 200 रुपये देती है।

अधीर रंजन चौधरी, कांग्रेस सांसद

“ जिस व्यक्ति पर इतना बड़ा आरोप लगा वो हिंदुस्तान का झंडा लेकर कहता है कि ये भारत पर हमला है। जिस मुल्क में आर्थिक प्रणालियां ऐसी हो जाएं कि व्यक्ति डूब जाए, तो फिर बचेगा क्या।

मनोज झा, आरजेडी सांसद

बजट में किसानों के खिलाफ साजिश : टिकैत

» कहा-आने वाले पांच से सात साल में किसानों की जमीन नीलाम होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। किसानों की मांगों को लेकर उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद में चल रहे भारतीय किसान यूनियन के अनिश्चितकालीन धरने का गुरुवार को छठा दिन है। बुधवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने संसद में बजट पेश किया, जिसे अमृतकाल का पहला बजट बताया जा रहा है। इस बजट पर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने नाराजगी दिखाई है। उन्होंने कहा कि किसान, मजदूर और आदिवासियों के लिए इस बजट में कुछ नहीं है। बजट में किसानों का कर्ज बढ़ाने की बात कही गई है। राकेश टिकैत ने कहा कि इस बजट से कंपनियों को फायदा होगा और किसानों का कर्ज बढ़ेगा।

राकेश टिकैत की मानें तो इनकम टैक्स में छूट की सीमा सात लाख तक बढ़ाने से कुछ लोगों को फायदा तो हुआ है। लेकिन, गांवों में रहने वाले मजदूरों और किसानों को कुछ नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में किसानों का कर्ज बढ़ाने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि जो कंपनियां होंगी, इस बजट में उनको फायदा होगा। एग्री बेस्ट बनी नयी कंपनियों को इस बजट से जरूर फायदा होगा। लेकिन किसानों पर कर्जा बढ़ाया गया है। इस बजट में किसानों को तो कर्ज देने की बात कही गयी है। अब वह कर्ज किसान कैसे उतारेंगे। धीरे-धीरे उनकी जमीन जाएगी। इस साजिश का मुझे पहले से ही पता था। कृषि उत्पादों का भाव बढ़ाना चाहिए था, एमएसपी गारंटी कानून बनना चाहिए था। पानी के ऊपर चर्चा होनी चाहिए। लेकिन इन मुद्दों पर बजट नहीं है। पानी मोल मिलेगा। बिजली के रेट हाई होंगे और फसलों की कीमतें कम रहेंगी। उन्होंने कहा कि आने वाले पांच से सात साल में किसानों की जमीन नीलाम होगी। बैंकों के पास में बड़ा लैंड बैंक बनेगा। यही इस सरकार की साजिश है।आज तो किसान सरकार से अपनी जान बचाने की अपेक्षा कर रहा है। किसान की तो जान ही बच जाए, वही बहुत बड़ी बात है।

मंदिरों के कपाट सबके लिए खुलने चाहिए

बीजेपी वाले तो धर्म का झगड़ा करवाएंगे ही। इनका तो काम ही यही है। हां, सारे हिंदू उधर चले गए। उन्होंने सवाल उठाया कि हिंदू संगठन वाले क्या कर रहे हैं। सारे हिंदू बौद्ध धर्म में जा रहे हैं। मंदिरों के कपाट सबके लिए खुलने चाहिए। मंदिर पूजा स्थल है। पहले सबके मंदिर एक होते थे। आज मंदिर अलग-अलग हो रहे हैं। इस तरह से इनकी योजनाएं पूरी नहीं होने की आपस में झगड़े ही होंगे। हां, इन विवादों से हम तो दूरी बनाए हुए हैं। हमें तो अपनी जान बचानी ही भारी हो रही है।

बजट से हर वर्ग में बढ़ी निराशा : अखिलेश

शिवपाल बोले- रोजगार व कारोबारी हितों की अनदेखी

» कागजी नाव जैसा है मोदी सरकार का बजट : आशुतोष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा अपने बजट का दशक पूरा कर रही है। पर जब जनता को पहले कुछ न दिया तो अब क्या देगी? भाजपा महंगाई व बेरोजगारी को और बढाया है। किसान, मजबूत, युवा , महिला, नौकरीपेशा, व्यापारी वर्ग में इससे आशा नहीं निराशा बढ़ी है। ये चंद बड़े लोगों को ही लाभ पहुंचाने के लिए है।

इसी तरह सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इटावा लायन सफारी का एक वीडियो ट्वीट करते हुए भाजपा पर तंज कसा है। इस वीडियो में शेर दहाड़ रहा है और दीवार खुरच रहा है। सपा अध्यक्ष ने लिखा कि शायद इटावा लायन सफारी का चे सच्चा परंतु भूखा शेर इसलिए गुस्से में है क्योंकि भाजपा सरकार ने न तो उसके भोजन व रखरखाव के लिए सही बजट दिया और न ही जोड़तोड़ कर बनाए गए उसके मेक इन इंडिया के लौह प्रतीक को मान देते हुए पिछले 10 साल से कोई मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट यूपी में लगाई है।

उधर, पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बजट में रोजगार व कारोबारी हितों की अनदेखी की गई है। एमएसएमई व किसानों की आय बढ़ाने को लेकर बजट मौन है। नौजवानों, युवाओं, महिलाओं, मजदूरों व्यापारियों और विशेषकर मध्य वर्ग के लिए यह बजट छलावा है। यह आभासी स्क्रैच कार्ड है, जिसमें एक संदेश छुपा होता है - बेटर लक नेक्सट टाइम। सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह पूरी तरह से कागजी नाव जैसा है। इसमें किसानों एमएसपी व ऋणमाफी, पुरानी पेंशन, मदरसा शिक्षकों के केंद्रांश, महगाई पर कोई बात नहीं हुई है। स्वास्थ्य एवं शिक्षा मद में भी कटौती हुई है।

चुनाव को ध्यान में रखकर पेश किया गया बजट : डिंपल यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी की सांसद और अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने बजट निराशाजनक बताया है। उन्होंने ने कहा, यह चुनाव को ध्यान में रखकर पेश किया गया बजट है। मध्यम वर्ग को कुछ छूट जरूर दी गई है लेकिन सरकार ने किसानों को एमएसपी, रोजगार और युवाओं के बारे में कुछ नहीं कहा है। इस बजट में रेलवे की भी अनदेखी की गई। यह निराशाजनक बजट रहा है। डिंपल यादव ने कहा बजट में किसानों को एमएसपी, रोजगार और युवाओं के बारे में कुछ नहीं कहा है। यह आगामी चुनाव को देखते हुए पेश किया गया है। इस बजट में रेलवे की भी अनदेखी की गई। यह निराशाजनक बजट रहा है।

सुभासपा उद्धव ठाकरे के साथ मिलकर लड़ेगी बीएमसी चुनाव

» ओमप्रकाश राजभर ने शिवसेना के साथ गठबंधन का किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलिया। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को कहा कि वह महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ मिलकर लड़ेंगे।

राजभर ने बताया कि उनकी दो दिन पहले शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे से मुंबई में मुलाकात हुई है। उन्होंने कहा कि डेढ़ घंटे की यह मुलाकात सकारात्मक थी जिसमें उनकी ठाकरे से महाराष्ट्र में होने वाले बीएमसी चुनाव को लेकर चर्चा हुई है। उन्होंने दावा किया कि ठाकरे ने बीएमसी चुनाव सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ मिलकर लड़ने पर सहमति जताई है।

रामचरितमानस को लेकर उठे विवाद के संबंध में राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी को इस विवाद से कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सपा को स्वामी प्रसाद मौर्य के जरिए कुछ भी हासिल नहीं होगा। मौर्य जनाधार वाले नेता नहीं हैं। अगर वह जनाधार वाले नेता होते तो विधानसभा चुनाव नहीं हारते। उन्हें विधान परिषद के पिछले दरवाजे से सदन में नहीं जाना पड़ता। गौरतलब है कि सपा नेता मौर्य ने हाल ही में कथित तौर पर कहा था कि रामचरितमानस के कुछ दोहों में समाज के एक बड़े वर्ग का जाति के आधार पर 'अपमान' किया गया है और इन पर 'प्रतिबंध' लगा देना चाहिए। राजभर ने कहा कि अपने शासनकाल में पिछड़े वर्ग के हितों और पदोन्नति में आरक्षण की अवहेलना करने वाली समाजवादी पार्टी को अन्य पिछड़ा वर्ग का समर्थन नहीं मिलेगा।

उत्तर प्रदेश में शिवसेना का आधार नहीं है : राजभर

यह पूछे जाने पर कि क्या वह उत्तर प्रदेश में 2024 के लोकसभा चुनाव में ठाकरे की शिवसेना के साथ गठजोड़ करेंगे, राजभर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में शिवसेना का आधार नहीं है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

दुनिया को नेतृत्व देने वाला बजट : सीएम

» कहा- देश के विकास का ग्रोथ इंजन बनने की दिशा में अग्रसर यूपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी देश के विकास का ग्रोथ इंजन बनने की दिशा में अग्रसर है। ऐसे में सिद्धार्थनगर भला पीछे कैसे रह सकता है। आज यह जिला आकांक्षात्मक जनपद से ऊपर उठ चुका है। नीति आयोग के पैरामीटर से ऊपर उठकर यह जिला आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी ने कहा कि 10 फरवरी को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लखनऊ में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन कर रहे होंगे, तब सिद्धार्थनगर सहित पूरे प्रदेश के अंदर निवेशक सम्मेलनों का आयोजन होगा।

उस वक्त पूरी दुनिया हमें कौतूहल व आश्चर्य भरी नजरों से देख रही होगी। मुख्यमंत्री सिद्धार्थनगर महोत्सव के समापन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज कार्यक्रम के अंतर्गत यहां बने मेडिकल कॉलेज को यहां की माटी के लाल माधव प्रसाद त्रिपाठी के नाम पर रखा गया है। कुछ ही समय में ये मेडिकल कालेज अपनी उत्तम स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अगल-बगल के जिलों और पड़ोसी देश के नागरिकों के लिए उत्तम स्वास्थ्य सुविधा का केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने काला नमक चावल का उल्लेख करते हुए कहा कि इसे हमने ओडीओपी के तहत सिद्धार्थनगर के प्रोडक्ट के रूप में प्रमोट करने का निर्णय लिया है। काला नमक चावल पोषणयुक्त तथा सबसे सॉफ्ट चावल है। इसका इतिहास ढाई हजार वर्ष पुराना है। आज पूरी दुनिया में काला नमक चावल की मांग हो रही है।

जिले से इंसेफ्लाइटिस जैसी जानलेवा बीमारी समाप्त

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया के लोग इस जनपद के प्रति बहुत आदर और सम्मान व्यक्त करते हैं। तीन दशकों तक बीमारी और पलायन इसकी पहचान बन चुकी थी, लेकिन सामूहिक प्रयासों के चलते आज इंसेफ्लाइटिस जैसी जानलेवा बीमारी यहां से लगभग समाप्त हो चुकी है। बजट पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार का बजट दुनिया को नेतृत्व देने वाला बजट है। भारत दुनिया की एक बड़ी ताकत और सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रही है।

मोदी सरकार के बजट से यूपी के किसान नाराज

» फसलों की खरीद की गारंटी का प्रावधान जरूरी: नीरज चौधरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। मोदी सरकार के बजट से किसानों ने काफी आस लगा रखी थी। उन्हें उम्मीद थी कि बजट में न सिर्फ प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की धनराशि बढ़ेगी बल्कि किसान क्रेडिट कार्ड पर मिलने वाला ऋण भी ब्याज मुक्त देने का प्रावधान होगा। बजट को अधिकतर किसानों ने निराशाजनक करार दिया है।

नीरज चौधरी राष्ट्रीय अध्यक्ष भाकियू पथिक ने कहा कि बजट में देश के किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड पर ऋण को बढ़ाया है। इससे किसानों पर कर्ज में ही इजाफा होगा। किसानों को उम्मीद थी कि बजट में किसान क्रेडिट कार्ड पर मिलने वाले ऋण को ब्याज मुक्त किया जाएगा। साथ ही बजट में एमएसपी पर सभी फसलों की खरीद की गारंटी का प्रावधान होना चाहिए था। अशोक कुमार, जिला महासचिव भाकियू ने कहा कि किसानों ने बजट से खासी उम्मीद लगा रखी थी। लेकिन किसानों के लिए कुछ खास नहीं किया गया।

विशाखापत्तम को राजधानी बनाने की घोषणा कर जगन ने चला सियासी दांव

» राज्य के विस चुनाव पर पड़ेगा असर, चंद्रबाबू नायडू की राजनीति की दिशा बदलेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। विशाखापत्तम को राजधानी बनाने की घोषणा करके जगमोहन रेड्डी ने सियासी दांव चल दिया है। जानकारों कहना है कि आने वाले चुनाव में वाईएसआर कांग्रेस को फायदा मिल सकता है। ज्ञात हों कि जगमोहन पहले तीन राजधानियों के पक्ष में थे पर बाद मामला कोर्ट से खारिज होने के बाद वह इसे पीछे हट गए। उनके इस फैसले का सबसे ज्यादा असर चंद्रबाबू नायडू की राजनीति पर पड़ेगा। जहां जगन ने अपने फैसले से आने वाले समय में अपनी राजनैतिक दिशा दिखा दी है वहीं चंद्रबाबू व अन्य सियासी दल भी रणनीति बनाने में जुट गए हैं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने एलान किया है कि राज्य की अगली राजधानी विशाखापत्तम होगी। दरअसल, 2014 में तेलंगाना को आंध्र प्रदेश से अलग किए जाते वक्त हैदराबाद को 10 साल के लिए दोनों राज्यों की साझा राजाधानी घोषित किया गया था। यह समयावधि पूरी होने के बाद में हैदराबाद को तेलंगाना को सौंपे जाने का निर्णय हुआ। ऐसे में आंध्र प्रदेश को 2024 से पहले ही राजधानी का एलान करना था।

इससे पहले 23 अप्रैल 2015 को चंद्रबाबू नायडू की तेदेपा सरकार ने अमरावती को आंध्र प्रदेश की अगली राजधानी घोषित किया था। इसके बाद 2020 में जगन सरकार ने ही आंध्र प्रदेश की तीन राजधानियां होने की बात कही थी। इनमें अमरावती, विशाखापत्तनम और कुरनूल का नाम सामने आया था। हालांकि, बाद में वाईएसआर कांग्रेस सरकार ने यह फैसला वापस ले लिया था और अमरावती को ही राजधानी बनाने की बात कही थी। गौरतलब है कि वाईएसआर कांग्रेस लगातार तेदेपा पर अमरावती में जमीन घोटाले के आरोप लगाती रही है। खासकर तेदेपा प्रमुख और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू इस विवाद के केंद्र में रहे हैं। इस कथित घोटाले को लेकर रेड्डी सरकार ने सीबीआई जांच की मांग भी की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि अमरावती में कई लोकेशन्स के बारे में पहले से ही कार्य योजना का खुलासा हो गया था। हालांकि, चंद्रबाबू नायडू ने ऐसे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। फिलहाल की बात करें तो अमरावती आंध्र प्रदेश की राजधानी है। जगन ने कहा कि मैं आपको विशाखापत्तनम में आमंत्रित कर रहा हूं जो कि आने वाले दिनों में हमारे आंध्र प्रदेश की राजधानी होगी।

टीडीपी पर अमरावती में जमीन घोटाले का आरोप

आंध्र प्रदेश की मौजूदा वाईएसआर कांग्रेस सरकार की ओर से टीडीपी की चंद्रबाबू नायडू वाली सरकार पर जमीन घोटाले का आरोप लगाया गया था। जिसमें कहा गया कि चंद्रबाबू नायडू के कार्यकाल में बड़ी पैमाने पर जमीन का घोटाला किया गया। जिसका केंद्र अमरावती रहा था। इस घोटाले को लेकर रेड्डी सरकार ने सीबीआई जांच की मांग भी की थी। हालांकि चंद्रबाबू नायडू ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था।

राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में दी थी

आंध्र प्रदेश सरकार ने अमरावती को राज्य की एकमात्र राजधानी घोषित करने के हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सरकार तीन राजधानियों की अपनी योजना को फिर से लागू करना चाहती है। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने गत 3 मार्च को प्रशासन को तीन राजधानियों के निर्माण की अपनी योजना को छोड़ने का निर्देश देने के बाद राज्य सरकार ने यह कदम उठाया है। वहीं उच्च न्यायालय ने इसके बजाय राज्य सरकार को मास्टर प्लान के अनुसार अमरावती को राज्य की राजधानी के रूप में विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने जगन मोहन सरकार को पूर्ववर्ती सरकार के द्वारा किसानों से अधिग्रहण किए गए 33,000 एकड़ जमीन को राजधानी के विकास के लिए इस्तेमाल करने के निर्देश दिए हैं। साल 2020 में आंध्र प्रदेश सरकार ने आंध्र प्रदेश विकेंद्रीकरण और सभी क्षेत्रों का समावेशी विकास विधेयक, 2020 और राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (निरसन) विधेयक, 2020 को विधानसभा में पेश किया था। जिसके तहत राज्य की तीन कार्यकारी, विधायी और न्यायिक राजधानियां क्रमशः विशाखापत्तनम, अमरावती और कुरनूल में स्थापित करने का प्लान था। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा राज्य की तीन राजधानियां बनाने और अमरावती में पहले से स्वीकृत ग्रीनफील्ड राजधानी शहर परियोजना को छोड़ने की योजना के बाद प्रदेश सरकार को अपनी जमीन देने वाले किसानों ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। किसानों ने कोर्ट से कहा कि राज्य सरकार उनके द्वारा दी गई भूमि का ही उपयोग राजधानी अमरावती के विकास में करें। जगन मोहन सरकार के तीन राजधानियां बनाने के फैसले के खिलाफ करीब 100 याचिकाएं दाखिल की गईं थीं। क्योंकि करीब 33,000 किसानों ने राजधानी के विकास के लिए अपनी जमीनें सरकार को दे दी थी। अब ये किसान सरकार के तीन राजधानियों के फैसले का विरोध कर रहे हैं। किसानों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्य सरकार को ग्रीनफील्ड राजधानी शहर परियोजना के लिए मुख्यमंत्री चंद्र बाबू नायडू सरकार द्वारा तीन महीनों में किसानों से अधिगृहीत की गई जमीन का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया था। किसानों की जमीन का अधिग्रहण राजधानी विकास प्राधिकरण एक्ट के तहत किया गया था। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू सरकार द्वारा किसानों को दी गई गारंटी सीआरडीए एक्ट के तहत अपरिवर्तनीय है और सरकार अमरावती को राज्य की राजधानी बनाने के बजाय किसी अन्य उद्देश्य के लिए उनकी भूमि का उपयोग नहीं कर सकती है।

तीन राजधानियों के खिलाफ अमरावती के किसानों ने किया था प्रदर्शन

आंध्र प्रदेश के अमरावती से बड़ी संख्या में आए किसानों ने तीन राजधानियां विकसित करने के लिए कानून लाने की राज्य सरकार की योजना के विरोध में यहां प्रदर्शन किया। विभिन्न दलों के सांसद भी उन्हें समर्थन देने के लिए प्रदर्शन में शामिल हुए। यहां जारी एक बयान के अनुसार, प्रदर्शन में शामिल सांसदों में जयदेव गल्ला और के. राममोहन नायडू सहित तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के सदस्य, बसपा के दानिश अली और राज्य की सत्तारूढ़ वाईआरएस कांग्रेस के असंतुष्ट के. रघु रामकृष्ण राजू शामिल थे। इसके अलावा कांग्रेस और वाम दलों के नेताओं सहित अन्य कई नेताओं ने भी 'अमरावती परिरक्षण समिति' के बैनर तले प्रदर्शन कर रहे किसानों के प्रति समर्थन व्यक्त किया। किसानों ने मांग की है कि राज्य सरकार को केवल अमरावती को ही राजधानी बनाए जाने की पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की पहले की योजना पर कायम रहना चाहिए। किसान चाहते हैं कि सरकार अपनी पहले की प्रतिबद्धता का सम्मान करे। उनकी जमीन अमरावती में राजधानी विकसित करने के नाम पर ली गई है, लेकिन अब सरकार पीछे हट रही है। अमरावती परिरक्षण समिति के अध्यक्ष ने कहा कि 2019 में सत्ता में आने के बाद वाईएसआर कांग्रेस ने अमरावती को राज्य की एकमात्र राजधानी के रूप में विकसित करने के पिछली सरकार के फैसले को उलट दिया तथा विशाखापत्तनम तथा कुर्नूल में दो और राजधानियां बनाने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि अमरावती के किसानों ने राजधानी के लिए 33,000 एकड़ जमीन दी थी और अब वे ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

सरकार का आखिरी पूर्ण बजट: चुनावों पर है नजर

» नौ राज्यों के विधान सभा व 2024 लोक सभा चुनाव की आहट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने अपने आखिरी पूर्ण बजट में नौकरी पेशा या मध्यम वर्ग को आकर्षित करने के लिए सात लाख रुपये तक की कमाई पर छूट देने का ऐलान किया है। साथ किसानों व रक्षा से जुड़े बजट में भारी बढ़ोत्तरी की है। महिलाओं व बच्चों के लिए भी खजाना खोला है। अगर गौर से विश्लेषण किया जाए जो यह बजट आगामी 9 राज्यों के विधान सभा चुनाव व 24 के लोकसभा चुनाव को नजर में रखकर बीजेपी सरकार ने तैयार किया है। इसके सियासी पहलू को भी समझ लेते हैं, इस साल 9 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसके बाद अगले साल मार्च-अप्रैल तक लोकसभा चुनावों की तारीखें आ जाएंगी। जिसके कारण अगले साल सरकार पूर्ण बजट पेश नहीं कर पाएगी इसीलिए इसे मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी पूर्ण बजट माना जा रहा है, कुल मिलाकर समझा जाए तो सरकार के पास आम जनता को तोहफा देने का यह आखिरी मौका था। सरकार ने भी इस मौके पर फायदा उठाया और नई टैक्स व्यवस्था का ऐलान कर दिया। जिसका असर देश के सबसे बड़े वर्ग पर पड़ेगा। ऐसे में सवाल पैदा होता है कि क्या बीजेपी और उसके सहयोगी दलों को आगामी विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनाव में फायदा मिलेगा।हालांकि इस बजट को जहां सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों ने बढ़िया बताया है वहीं विपक्ष ने बकवास करार दिया है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का आम बजट पेश कर दिया है। इस बार के बजट में महिलाओं,युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों का खासा ख्याल रखने की कोशिश की गई है। इस बार सबसे खास बात यह रही कि टैक्स स्लैब में बड़ा बदलाव किया गया है। वहीं अब वित्त मंत्री के बजट में किए गए एलानों के बाद नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं।

बजट में केवल फैंसी घोषणाएं : वेणुगोपाल

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट देश की वास्तविक भावना को संबोधित नहीं कर रहा है जो कि महंगाई और बेरोजगारी है। इसमें केवल फैंसी घोषणाएं थीं जो पहले भी की गई थीं लेकिन कार्यान्वयन के बारे में क्या? पीएम किसान योजना से सिर्फ बीमा कंपनियों को फायदा हुआ किसानों को नहीं।

बजट में किसानों के लिए कुछ नहीं : डिंपल

सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा कि ये चुनावी बजट है, किसानों के लिए कुछ नहीं है। किसानों की एमएसपी की बात नहीं की है। रेलवे को पूरी तरह नजरअंदाज़ किया गया है। आधी से ज्यादा आबादी गांव में बसती है लेकिन उनके लिए कुछ नहीं किया है। ये बहुत ही निराशाजनक बजट है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ग्लोबल वार्मिंग की वजह से बढ़ रही शीतलहर

“

1951-2022 तक हुई शीतलहर पर सर्वे किया गया। इस सर्वे में पाया गया कि अब पहले से ज्यादा शीतलहर में बढ़ोतरी हुई है, पिछले दशकों और हाल के दशकों की तुलना की जाए तो शीतलहर के दिनों में इजाफा देखा गया है। पूर्व और पश्चिम मध्य प्रदेश, झारखंड, विदर्भ, मराठवाड़ा, उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ क्षेत्र जैसे छत्तीसगढ़, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली सबसे ज्यादा शीतलहर के प्रकोप में रहे हैं।

ग्लोबल वार्मिंग का असर गर्मी बढ़ाने में ही सहायक नही है इसका कुप्रभाव ठंड पर भी पड़ रहा है। वार्मिंग का असर है भारत में शीतलहर तेजी से पड़ने लगी है। शीतलहर जानलेवा में होती जा रही है। इसबार सैकड़ों लोगों की जान चली गई। शीतलहर का असर गरीबों पर बहुत पड़ता है। गरीब, मजदूर को काम के लिए घरों से निकलना पड़ता है। बाहर शीतलहर की चपेट में आकर वह बीमार पड़ जाते हैं कभी-कभी तो उन्हें जान से हाथ धोना पड़ता है। ठंड की वजर से पहाड़ों पर वर्फबारी भी बढ़ रही है। बुधवार को कश्मीर वर्फीले पहाड़ के टूटने 2 लोगों की मौत हो गई। एक्सपर्ट का कहना है कि पूरी दुनिया में जो जलवायु परिवर्तन की वजह से ठंड में भी दिक्कतें बढ़ रही हैं।

भारत ने भले ही हाल के दशकों में कई रिकॉर्ड तोड़ गर्मी क्यों न देखी हो लेकिन ग्लोबल वार्मिंग के बावजूद शीतलहरमें भी किसी तरह की कोई कमी नहीं आई है। इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेट्रोलॉजी ने इसे लेकर एक सर्वे किया। आईआईटीएम के वैज्ञानिक ने बताया कि पिछले सात दशकों यानी 1951-2022 तक हुई शीतलहर पर सर्वे किया गया। इस सर्वे में पाया गया कि अब पहले से ज्यादा शीतलहर में बढ़ोतरी हुई है, पिछले दशकों और हाल के दशकों की तुलना की जाए तो शीतलहर के दिनों में इजाफा देखा गया है। पूर्व और पश्चिम मध्य प्रदेश, झारखंड, विदर्भ, मराठवाड़ा, उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ क्षेत्र जैसे छत्तीसगढ़, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली सबसे ज्यादा शीतलहर के प्रकोप में रहे हैं। 2011-2021 की अवधि के दौरान, मध्य और पूर्वी भागों में, शीत लहर के दिनों की औसत संख्या में प्रति दशक पांच दिनों से अधिक और यहां तक कि प्रति दशक 15 दिनों से ज्यादा की वृद्धि हुई है। भारत में कोर शीत लहर क्षेत्र के मध्य और पूर्वी हिस्सों में 1951-2011 से अधिकांश दशकों के दौरान प्रति 10 वर्षों में 2-5 शीतलहर के दिन रिकॉर्ड किए जाते थे। 2021 में यह बढ़कर लगभग 5-15 दिन हो गया। इसलिए यह कहा जा सकता है कि शीतलहर की घटनाएं हाल के दिनों में पहले से ज्यादा हुई हैं। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि पिछले 20 साल की अवधि के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ हिस्सों में शीतलहर के दिनों में प्रति दशक 5-10 दिन की वृद्धि हुई है, जबकि पिछले दशकों में यह औसतन 2-5 था। स्टडी में पाया गया कि पिछले आठ दशकों के दौरान हुई सबसे लंबी शीत लहरें (लगभग 61 प्रतिशत) भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में वायु दाब सामान्य से ज्यादा होने यानी ला नीना स्थितियों से जुड़ी थीं। यह सर्वे यह देखने के लिए किया गया था कि कहीं ग्लोबल वार्मिंग के कारण शीतलहर में तो कमी नहीं आई है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बढ़ते तकनीकी वर्चस्व की जद में मानवता

डॉ श्याम सखा श्याम

इस समय दुनिया की आबादी लगभग 8 अरब है। गूगल सर्च करने वालों की संख्या लगभग 3 अरब बताता है। खुद गूगल और फेसबुक को इस्तेमाल करने वाले लगभग 2.3 अरब हैं ऐसा गूगल बताता है। गूगल सर्च इस्तेमाल करने वाले यह भी जानते हैं कि आपने इस पर किसी चीज को ढूंढ लिया तो अगली बार गूगल खोलते ही बिना हमारे सर्च किये गूगल उसी वस्तु या उस वस्तु से सम्बन्धित वस्तुओं के विज्ञापन की बाढ़-सी ला खड़ी करता है। आपने मिक्सी देखी गूगल पर तो गूगल अनेक ब्रांड की मिक्सी दिखलायेगा। अगर कहीं कोई फिल्म देख ली तो न जाने कितनी महिलाओं के सन्देश भेजने लगेगा। इसका अर्थ ये हुआ कि गूगल हमारी पसन्द को समझने लगा है। दूसरे शब्दों में कहें तो गूगल हमारे मन को पढ़ने में सक्षम हो गया है। यही नहीं, वह हमें ये चीजें खरीदने या देखने का लालच दे रहा है। यानी गूगल हमारे मन पर अधिकार करने की कोशिश में लगा है। पर गूगल तो एक बेजान चीज है। असल मालिक तो इसके या इस जैसी कॉर्पोरेट कम्पनियों के मालिक हैं। वही लोग जिन्हें गूगल या अमेजन जैसी कम्पनियां हमारा डेटा यानी जानकारियां बेचती हैं।

ज्यादातर लोगों को शायद ही पता हो कि हमारे साथ एक बड़ा 'खेला' हो रहा है। साइंस टेक्नोलॉजी उनके साथ क्या खिलवाड़ कर रही है। इस भयानक तथ्य को कुछ सरकारों एवं टेक्नोलॉजी से जुड़ी बड़ी-बड़ी कम्पनियों, निगमों के मालिकों के अलावा शायद ही कुछ लोग जानते हैं। तकनीक या धर्म अपने आप में खतरनाक नहीं हैं बल्कि उन्हें अपने स्वार्थ हेतु उपयोग में लाने वाले लोग या समूह खतरनाक होते हैं। इतिहास पर नजर डालने से पता लगता है कि आम आदमी का शोषण सदा से होता आया है। शोषण की शुरुआत स्त्री से हुई। सबसे पहले स्त्री शोषण का शिकार हुई। फिर गरीब मजदूर शोषण का शिकार हुआ लेकिन यह शोषण अधिकतर शारीरिक रहा। जबरदस्ती हुआ या बहका कर हुआ, हुआ शारीरिक या भौतिक ही। मानव के सपनों, विचारों का शोषण शायद नहीं हुआ। लेकिन अब एआई और बायो इंजीनियरिंग के माध्यम से यह शोषण आरम्भ हो गया है। यह तकनीक बहुत तेजी से इस ओर अग्रसर है कि मानव मन या मस्तिष्क पर किस तरह पूर्ण काबू पाया जाये।

लेकिन लगता है कि वास्तविक परिवर्तन अब होने जा रहा है जब यह तकनीक बाहर नहीं बल्कि हमारे भीतर वैली वालों ने कह दिया या जान लिया कि चेतना का निर्माण वहां की प्रयोगशाला में संभव है तो क्या जैविक इंजीनियरिंग आनुवंशिक स्तर पर हस्तक्षेप कर शरीर में नये अंग बना देगी। ऐसे मानव बना लेगी जो शारीरिक रूप से अधिक सक्षम एवं मानसिक रूप से अधिक बुद्धिमान हों। कुछ जीन बदल कर नये डिजाइन की शुरुआत हो चुकी है। शक्तिशाली कंपनियां एवं सरकारें बायो इंजीनियरिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से हमारे मस्तिष्क को एक कंप्यूटर इंटरफेस जैसा बनाने की तरफ अग्रसर हैं जिससे वे हमें कम्प्यूटर की मानिंद रिमोट से कंट्रोल कर सकें या

बदलाव करने की क्षमता हासिल कर रही है। क्या हम कल्पना कर सकते हैं कि भविष्य में ये तकनीकी संस्थाएं हमारे साथ क्या करेंगी? अब तक जो कुछ प्राकृतिक चयन के आधार पर होता आया है क्या वह बदल जाएगा। हमें पता नहीं है कि चेतना क्या है, यह क्या करती है। वैसे एक तथ्य से हम भारतीय वाकिफ हैं अपने दार्शनिक ग्रंथों की मदद से कि पृथ्वी, आकाश, जल, अग्नि वायु से शरीर बनता है और जब इसमें चेतना (आत्मा) प्रवेश करती है तो जीव पैदा होता है। यह कैसे होता है यह हम नहीं जानते । लेकिन वैज्ञानिक कहते हैं कि चेतना का सम्बन्ध, हम जान गए हैं कि मस्तिष्क में मौजूद अरबों न्यूरॉन्स से है। वे इस बात का भी दावा करते हैं कि क्रोध और प्रेम, दर्द और खुशी के व्यक्तिपरक अनुभव इन्हीं न्यूरॉन्स में कुछ केमिकल (हार्मोनल) के प्रभाव से होते हैं। तो कल अगर सिलिकॉन हमारे बारे में हर जानकारी प्राप्त कर सकें। बायो इंजीनियरिंग के माध्यम से वे मानव की एक नयी मनचाही प्रजाति बनाने में सफल हो सकते हैं। जैसा कि अब तक वे फसलों और जानवरों के साथ करने में सफल हो गए हैं।

संभव है वैज्ञानिक अधिक सुंदर, स्वस्थ और आज्ञाकारी मानव प्रजाति बना लें। फिर उन्हें आम जनता की जरूरत ही न रहे। इतिहास साक्षी है कि मानव ने अब तक किस तरह अपने चारों ओर के परिवेश को बदल दिया। जंगल-गांव सभी को नष्ट कर नगर बसाये या कारखाने बनाये हैं। ये काम मानव मजदूरों ने कॉर्पोरेट कम्पनियों के मालिकों के हुक्म से किये थे। अब अनेक काम रोबोट करने लगे हैं जिन्होंने दुनिया भर के मजदूरों को बेकारी की ओर धकेल दिया है। अब तो सैनिक का काम भी रोबोट और ड्रोन कर रहे हैं। अभी तक हमारा जैविक दिमाग कम्प्यूटर को बना रहा है, कंट्रोल कर रहा है।

कृत्रिम भोजन के खतरों पर बहस जरूरी

देविंदर शर्मा

खबर परेशान करने वाली है कि 'जीएम वॉच' नामक प्रभावशाली और स्वतंत्र निगरानी समूह, जो कि जीएम उद्योग के अतिशय प्रचारों और झूठे दावों का पर्दाफाश करता है, ने एक ट्वीट कर बताया है 'कंपनियां फल-मक्खियों (फ्रूट फ्लाई) में आनुवांशिक बदलाव करके कृत्रिम मांस पैदा करने में प्रयुक्त मूल अवयव प्राप्त कर रही हैं। पहले बड़े पैमाने पर मक्खियों को पैदा करके पाला-पोसा जाता है, फिर मारकर चूरा बनाया जाता है, कृत्रिम मांस बनाने के लिए जो मूल प्रोटीन जरूरी है, वह इससे निकाला जाता है।' जाहिर है यह ट्वीट कृत्रिम मांस बनाने में विकास की हालिया खबरों के संदर्भ में है, लेकिन इसका ज्यादा महत्व इस पर है कि प्रोटीनका विकल्प किस तरह पाया जाएगा।

यह सूचना ऐसे वक्त पर आई है जब 'सोलर फूड्स' नामक एक निजी कंपनी, फिनलैंड के हेलिसिंकी के निकट विरल हवा से वैकल्पिक प्रोटीन का उत्पादन व्यावसायिक स्तर पर करने के लिए इकाई स्थापित करने जा रही है। इस प्रक्रिया में, वायु में मौजूद कार्बन डाई-ऑक्साइड, ऑक्सीजन और हाइड्रोजन से बैक्टीरिया पैदा किया जाएगा, जिससे आगे प्रोटीन बनेगा, उत्पादन इसी साल शुरू होने की उम्मीद है। एक इकाई से प्रति वर्ष 100 टन उत्पाद मिलेगा जो कि 4-5 लाख भोजन खुराक बनाने लायक काफी होगा। इसी बीच सिंगापुर व्यावसायिक तौर पर कृत्रिम मांस बनाने वाला पहला देश बन गया है। चूंकि सिंगापुर के कुल क्षेत्रफल का 1 फीसदी से भी कम भूभाग पर खेती है, लिहाजा खाद्य उत्पादन सदा नगण्य रहा है। सिंगापुर अपनी खाद्य जरूरतों का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा 170 देशों से आयात करता है, इसलिए खाद्य-सुरक्षा सुनिश्चित करने के मामले में सिंगापुर की स्थिति हमेशा ही नाजुक रही है। यह बात आयात से खाद्य आपूर्ति करने वाले किसी भी देश पर लागू है। इससे वह वक्त याद आता है, जब भारत में भी, हरित क्रांति से पहले हमें भी बहुत बड़ी मात्रा में खाद्य आपूर्ति विदेशों से करनी पड़ती थी। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को इसका इंतजाम करने लिए न मालूम विदेशी मुल्कों के किन-किन दबावों और अभद्रता का सामना करना पड़ता होगा। तभी तो एक बार टीस जाहिर की थी 'किसी देश के लिए खाद्य के लिए दूसरों के सामने हाथ फैलाने से बढ़कर कोई और बेइज्जती नहीं हो सकती, इसलिए बाकी सब कुछ में इंतजार कर सकता है लेकिन खेती पर आत्मनिर्भरता में नहीं।' सिंगापुर अब एशिया का 'प्रोटीन धुरा' बनने की योजना बना रहा है। इसके लिए 36 कंपनियों ने कृत्रिम मांस उत्पादन के लिए 21.3 करोड़ डॉलर का निवेश किया है, जिसे 'सैल्युलर एग्रिकल्चर' भी पुकारा जाता है। इनके अलावा इस क्षेत्र में काफी नव-उद्यम स्थापित हो रहे हैं। पहले से वहां 17 व्यापारिक कंपनियां वनस्पति आधारित प्रोटीन उत्पाद बेच रही हैं। इसलिए अब कृत्रिम मांस उत्पादन की राह पकड़ना तय था। बतौर पहला कदम, अमेरिका स्थित 'गुड मीट' ऐसी पहली कंपनी है, जिसने सिंगापुर के कृत्रिम मांस नियामक नियमों को पूरा कर दिखाया है। दिसम्बर, 2020 से यह कंपनी वहां कृत्रिम-चिकन मांस बेच रही है। इसने घोषणा की है कि अगले कुछ सालों में 13,000 टन कृत्रिम गोमांस भी बनाने लगेगी, जिससे पशुओं को काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एक अन्य अमेरिकी कंपनी 'ईट जस्ट' ने भी कृत्रिम चिकन मांस बेचना शुरू किया है, हालांकि आरंभिक कीमत ऊंची होने की वजह से बिक्री ज्यादा नहीं है। पर इन कंपनियों को उम्मीद है कि आने वाले सालों में जैसे-जैसे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी वैसे-वैसे लागत कम होती जाएगी। जो भी है, ये कंपनियां पशुधन आधारित उद्योगों से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन पर बनी चिंताओं का दोहन कर रही हैं। 'नेचर' नामक वैज्ञानिक पत्रिका में छपा एक अध्ययन बताता है कि वैश्विक तापमान नियंत्रित करने की खातिर इंसानों को भोजन और तकनीक के क्षेत्र में बदलाव लाना आवश्यक है। इसके लिए, गोमांस की खपत में 75 फीसदी की कमी तो सूअर मांस में 90 प्रतिशत और अंडों की रोजाना खपत आधी करनी पड़ेगी। जबकि हकीकत यह है कि मांसाहारी उत्पादों की खपत बढ़ती जा रही है। अमीर मुल्कों में गाय और सूअर के मांस की खपत बहुत ज्यादा है। यह भी एकदम साफ है कि जीवनशैली में ऐसा कोई बदलाव, जिसमें खानपान की आदतें बदलनी पड़ें, कर पाना बहुत कठिन है। इसलिए, कंपनियों का दावा है, केवल कृत्रिम मांस उत्पादन अपनाने से ही जैव-विविधता बच पाएगी, पशुपालन में प्रयुक्त भूभाग बचेगा और पर्यावरण पर पड़ने वाला दुष्प्रभाव घटेगा।

पिछले 50 सालों में, मांस की खपत दोगुनी हो गई है। सकल कृषि संबंधित गतिविधियों से होने वाले ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 60 फीसदी हिस्सा पशुधन संबंधित है। इसमें भी सूअर मांस उत्पादन का योगदान सबसे अधिक है जो कि चिकन मांस से चार गुणा अधिक है। दुनियाभर में रोजाना लगभग 13 करोड़ मुर्गे मांस के लिए काटे जाते हैं। एक मजेदार रिपोर्ट, जिसका शीर्षक है 'प्रोटीन की राजनीति पशुधन, मछली, वैकल्पिक प्रोटीन के अतिशय दावों और टिकाऊपन की परख'। यह रिपोर्ट इंटरनेशनल पैनल ऑफ एक्सपर्ट ऑन सस्टेनएबल फूड सिस्टम (आईपीईएस) की है, जो प्रोटीन की आपूर्ति अन्य तरीकों से करने पर चर्चाओं में बने ध्रुवीकरण को उजागर करती है। दुनियाभर में बहस प्रोटीन केंद्रित है, मानो यह केवल प्रोटीन की कमी है जिससे विश्व में भूख और कुपोषण व्याप्त है। इस संदर्भ में, पशुओं को हमेशा मांस की नजर से देखा जाता है और मांस को प्रोटीन का पर्याय।

विटामिन-डी से इम्युनिटी और हड्डियां होती हैं मजबूत

अंडों में होती है विटामिन-डी

विटामिन-डी के लिए अंडे अच्छा स्रोत होने के साथ-साथ पौष्टिक आहार भी हैं। एक अंडे में अधिकांश प्रोटीन सफेद भाग में पाया जाता है और वसा, विटामिन और खनिज की मात्रा जर्दी में होती है। एक बड़े अंडे की जर्दी में 37 IU विटामिन D होता है जो इसकी दैनिक जरूरतों के 5 फीसदी की पूर्ति कर सकता है। विटामिन-डी के साथ अंडे, प्रोटीन का भी अच्छा स्रोत हैं जिससे न सिर्फ ऊर्जा मिलती है साथ ही इसमें मजूद अन्य विटामिन्स शरीर को स्वस्थ रखने में भी मददगार हैं।

मशरूम का करें सेवन

शाकाहारी लोगों के लिए मशरूम, विटामिन-डी का अच्छा स्रोत माने जाते हैं। मशरूम विटामिन डी2 का उत्पादन करते हैं। मशरूम में इम्यून मॉड्यूलेटिंग पोषक तत्व होते हैं, ये न्यूरोडीजेनेरेटिव स्थितियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में सहायक होने के साथ आंतों के लिए भी मशरूम को फायदेमंद माना जाता है।

दूध, दही और मक्खन से प्राप्त होता है विटामिन-डी

शरीर के लिए विटामिन-डी की पर्याप्त मात्रा प्राप्त करने के लिए सभी प्रकार के डेयरी उत्पादों का सेवन किया जा सकता है। दूध, दही, मक्खन को विटामिन-डी का समृद्ध स्रोत माना जाता है। डेयरी उत्पादों से कैल्शियम की आसानी से प्राप्ति हो जाती है जो हड्डियों को स्वस्थ रखने में आपके लिए लाभकारी है। सभी उम्र के लोगों को आहार में डेयरी उत्पादों की मात्रा को जरूर शामिल करने चाहिए।

सर्दियों के इस मौसम में हम सभी को अपनी सेहत को लेकर विशेष सतर्कता बरतते रहने की आवश्यकता होती है। तापमान कम होने के कारण शरीर के लिए कई परिस्थितियां प्रतिकूल प्रभावों वाली हो सकती हैं, जिनपर ध्यान न देने से आप बीमार हो सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सर्दियों के इस मौसम में सभी लोगों को अपने आहार को लेकर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है, क्योंकि प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण शरीर में कुछ प्रकार के विटामिन्स की कमी होने का जोखिम होता है। विटामिन-डी की कमी होना सर्दियों के मौसम में काफी सामान्य है। विशेषज्ञों के मुताबिक सर्दियों में लोगों का घर के अंदर ही अधिक समय बीत जाता है और धूप भी कम होती है। सूर्य की रोशनी के साथ कम संपर्क होने के कारण विटामिन-डी के स्तर में गिरावट का खतरा बढ़ जाता है। विटामिन-डी कैल्शियम अवशोषण को बढ़ावा देकर हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों को स्वस्थ रखने में भूमिका निभाती है। यह हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली के समुचित कार्य के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो शरीर को वायरस और बैक्टीरिया से बचाता है। इस मौसम में सभी लोगों को आहार में विटामिन-डी वाली चीजों को जरूर शामिल करना चाहिए, जिससे की इस पोषक तत्व की आसानी से पूर्ति की जा सके।

धूप में बिताएं कुछ समय

सर्दियों में लगभग 40 प्रतिशत कनाडाई लोगों में विटामिन-डी की कमी के कारण होने वाली समस्याओं का जोखिम काफी बढ़ जाता है। वास्तव में 20-30 मिनट की धूप भी इस विटामिन की दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी है। साथ ही मोटापे की समस्या से बचाने में भी इसके लाभ हो सकते हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि धूप में समय बिताने से फैट सेल्स बढ़ने नहीं पाते हैं जिससे वजन को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है। बढ़ते वजन की समस्या सभी लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ाने वाली मानी जाती है। पर सर्दियों में धूप की कमी के कारण विटामिन-डी की पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पाती है। ऐसी स्थिति में हमें भोजन के माध्यम से इसे प्राप्त करने के तरीकों पर जोर देना चाहिए। इस मौसम में कई ऐसी चीजें आसानी से उपलब्ध होती है जो विटामिन-डी की दैनिक आवश्यकताओं की आसानी से पूर्ति करने में मददगार हैं।

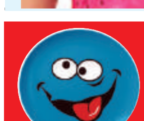

हंसना मना है

प्यार को मत छुपाओ उसे जरुरत है, जताने की, अपनी प्रतिभाओं को मत छुपाओ उन्हें जरुरत है बढ़ाने की, अब और परफ्यूम मत लगाओ तुम्हे जरुरत है नहाने की।

तु चांद मांग मैं चांद दे दूं, तु रात मांग मैं रात दे दूं, तु दिल मांग मैं दिल दे दूं, तु प्यार मांग, क्या यार, भीक मांगने की भी एक लिमिट होती है।

फनी जोक्स इन हिंदी तुम क्या जानो गम क्या होता है? तुम क्या जानो गम किसे कहते है? तुम क्या जानो गम क्या चीज होती है? तुमने तो हमेशा फेवीकोल यूज किया है!

दिल की बात दिल में मत रखना, जो पसंद हो उसे आईएलयू कहना, अगर वो गुस्से में आ जाये तो डरना मत, राखी निकालना और कहना, प्यारी बहना मिलती रहना।

इतनी हसीन है आप, खुद को दुनिया की नजरों से बचाया करो! आखो में काजल लगाना काफी नहीं! गले में लिंबु-मिर्ची भी लटकाया करो।

दिल में बसी है दोस्ती तेरी, आंखों में बसी है तस्वीर तेरी, जब भी आती है याद तेरी, हम देखते है, Tom & Jerry!

कहानी | मूर्ख साधू और ठग

एक बार की बात है किसी गांव में एक साधु बाबा रहा करते थे। पूरे गांव में वह अकेले साधु थे, जिन्हें पूरे गांव से कुछ न कुछ दान में मिलता रहता था। दान के लालच में उन्होंने गांव में किसी दूसरे साधू को नहीं रहने दिया और अगर कोई आ जाता था, तो उन्हें किसी भी प्रकार से गांव से भगा देते थे। इस प्रकार उनके पास बहुत सारा धन इकट्ठा हो गया था। वहीं, एक ठग की नजर कई दिनों से साधु बाबा के धन पर थी। वह किसी भी प्रकार से उस धन को हड़पना चाहता था। उसने योजना बनाई और एक विद्यार्थी का रूप बनाकर साधु के पास पहुंच गया। उसने साधु से अपना शिष्य बनाने का आग्रह किया। पहले तो साधु ने मना किया, लेकिन फिर थोड़ी देर बाद मान गए और ठग को अपना शिष्य बना लिया। ठग साधु के साथ ही मंदिर में रहने लगा और साधु की सेवा के साथ-साथ मंदिर की देखभाल भी करने लगा। ठग की सेवा ने साधु को खुश कर दिया, लेकिन फिर भी वह ठग पर पूरी तरह विश्वास नहीं कर पाया। एक दिन साधु को किसी दूसरे गांव से निमंत्रण आया और वह शिष्य के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। साधु ने अपने धन को भी अपनी पोटली में बांध लिया। रास्ते में उन्हें एक नदी मिली। साधु ने सोचा कि क्यों न गांव में प्रवेश करने के पहले नदी में स्नान कर लिया जाए। साधु ने अपने धन को एक कंबल में छुपाकर रख दिया और ठग से उसकी देखभाल करने का बोलकर नदी की ओर चले गए। ठग की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसे जिस मौके की तलाश थी, वो मिल गया। जैसे ही साधु ने नदी में डुबकी लगाई ठग सारा सामान लेकर भाग खड़ा हुआ। जैसे ही साधु वापस आया, उसे न तो शिष्य मिला और न ही अपना सामान। साधु ने ये सब देखकर अपना सिर पकड़ लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नए कार्य में लाभ मिलेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा।

वृषभ

चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन

विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

कर्क

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

सिंह

योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

कन्या

कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

तुला

बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

वृश्चिक

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

धनु

स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर

रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी।

कुम्भ

विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दु:खद समाचार मिल सकता है। नए कार्य में बनेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

मीन

मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

हमें बायकाट ट्रेंड पर ध्यान नहीं देना चाहिए : वरुण धवन

अभिनेता वरुण धवन अक्सर मीडिया की सुर्खियों में रहते हैं। इन दिनों वह अपनी सीरीज सिटाडेल को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह सामंथा रुथ प्रभु के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वर्क फ्रंट से अलग देखें तो वरुण काफी बेबाक हैं और तमाम मुद्दों पर खुलकर बोलते हैं। हाल ही में वह शाहरुख खान की फिल्म पठान की सफलता पर बात करते नजर आए। इतना ही नहीं, वरुण धवन ने बॉलीवुड बायकॉट ट्रेंड पर भी अपनी राय दी। हाल ही में वरुण धवन को आलिया भट्ट के साथ स्पॉट किया गया। जी सिने अवॉर्ड्स 2023 की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दोनों साथ नजर आए। इस दौरान वरुण धवन और आलिया भट्ट ने मीडिया से भी बातचीत की, जहां वरुण धवन से शाहरुख खान की फिल्म पठान की रिलीज से पहले हुए बायकॉट को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर वरुण धवन ने काफी दिलचस्प जवाब दिया। उन्होंने कहा, हमें किसी भी तरह के बायकॉट ट्रेंड पर ध्यान नहीं देना चाहिए। वरुण धवन ने आगे कहा, फिल्म पठान की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि दर्शकों को जिस तरह का मनोरंजन चाहिए, उन्हें वह मिलना चाहिए। हम कह सकते हैं कि दर्शकों को सिर्फ फ्रेश एंटरटेनमेंट की तलाश है, जो उन्हें पठान में देखने को मिला है। लोग पठान को पसंद कर रहे हैं तो यह खुशी का पल है। वरुण धवन ने कहा, हम बायकॉट बॉलीवुड को इतना महत्व क्यों दें? न ही हमें इसके बारे में ज्यादा चर्चा करनी चाहिए। बता दें कि पठान की रिलीज से पहले इसके बेशरम रंग गाने का जमकर विरोध हुआ था। इस गाने की वजह से सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक पर फिल्म के बायकॉट की आवाज उठी। ट्विटर पर पठान बायकॉट ट्रेंड हुआ। मगर, फिल्म ने अपनी रिलीज के दिन ही विरोधियों को जवाब दे दिया। ओपनिंग डे पर पठान ने 57 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

बॉलीवुड में कमबैक करेंगी साउथ एक्ट्रेस ज्योतिका

बॉलीवुड | मसाला

जसाउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस ज्योतिका जल्द ही बॉलीवुड में धमाकेदार कमबैक जा रही हैं। अभिनेत्री ने अपनी अपकमिंग बॉलीवुड फिल्म श्री की शूटिंग खत्म कर ली है। फिल्म में ज्योतिका राजकुमार राव के साथ दिखाई देंगी। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट साझा कर इस बात की जानकारी दी है। साउथ एक्ट्रेस ज्योतिका ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की थी। एक्ट्रेस की इस फोटो में राजकुमार राव और फिल्म की टीम दिखाई दे रही है। ज्योतिका ने फोटो के साथ एक पोस्ट भी साझा किया है। फैंस फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड हैं। ज्योतिक साउथ की कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है।

अभिनेत्री ने लिखा, मैंने श्री की शूटिंग पूरी कर ली है। भारी मन से अलविदा कहना पड़ रहा है। मैंने अब तक जितने भी क्रू के साथ काम किया, ये सबसे अच्छे क्रू में से एक है। मुझे इस मीनिंगफुल सिनेमा का हिस्सा बनाने के लिए तुषार और निधि शुक्रिया। राज, मैं आपकी बहुत बड़ी फैन हूं। बॉलीवुड में सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में से एक के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने मेरे लिए सम्मान की बात है। आपसे बहुत कुछ सीखा है और एक अभिनेता के रूप में जो मैं इस टीम से लेकर जा रही हूं वह है ग्रोथ। एक्ट्रेस की इस पोस्ट पर राजकुमार राव ने कमेंट किया है। राजकुमार ने लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद। आप बहुत शानदार कलाकार हैं। हम सब आपको याद करेंगे और इस खूबसूरत कहानी में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के साथ इतना कुछ जोड़ने के लिए धन्यवाद। आपके साथ फिर से काम करने का इंतजार नहीं कर सकता। बता दें कि 'श्री' दृष्टिबाधित बिजनेसमैन श्रीकांत बोल्ला की बायोपिक है। इस फिल्म में अलाया एफ और शरद केलकर भी मुख्य भूमिका में हैं।

साजिद खान की फिल्म में अपने हुस्न का जलवा बिखेरेंगी सौंदर्या

बॉलीवुड | गपशप

टीवी रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 16 की कंटेस्टेंट सौंदर्या शर्मा इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। अपनी खूबसूरती और ग्लैमर के चलते सौंदर्या के हाथ एक बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। बिग बॉस हाउस में हॉट लुक्स से चर्चा में रहने वाली सौंदर्या जल्द ही एक आइटम सॉन्ग में अपने हुस्न का जलवा बिखेर सकती हैं। ऐसी खबरें हैं कि, सौंदर्या अपने बिग बॉस को-कंटेस्टेंट साजिद खान की अपकमिंग फिल्म का हिस्सा बनने जा रही हैं।

सौंदर्या शर्मा भले बिग बॉस न जीत सकी हो लेकिन फैंस के दिल में उन्होंने खास जगह बना ली है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी छाई हुई हैं। सलमान खान द्वारा होस्ट किए गए शो में सौंदर्या अपनी शानदार पर्सनैलिटी की वजह से खूब पॉपुलर हो गई हैं। शो से निकलने के बाद सौंदर्या को कुछ दिलचस्प प्रोजेक्ट मिले हैं। ईटाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, सौंदर्या को साजिद खान की अपकमिंग फिल्म में एक आइटम सॉन्ग के लिए अप्रोच किया गया है।

सौंदर्या को साजिद खान की अगली फिल्म में एक आइटम सॉन्ग का ऑफर मिला है। साजिद खान करीब 4 साल के बाद किसी फिल्म को डायरेक्ट करने जा रहे हैं। फिल्म में बिग बॉस 13 फेम शहनाज गिल लीड रोल में नजर आएंगी। वहीं एक गाने के लिए साजिद ने सौंदर्या से कॉन्टेक्ट किया है, अगर वो इसके लिए हामी भरती हैं तो जल्द ही इसकी शूटिंग भी शुरू कर सकती हैं।

अजब-गजब | हमीरपुर का सुजानपुर किला: रात में आती है डरावनी आवाज

इस किले में छिपा है अरबों रुपये का खजाना

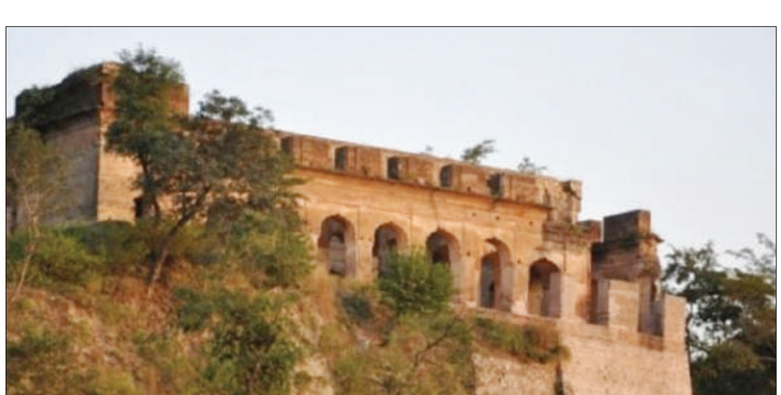

भारत में बहुत सारे ऐसे किले हैं, जिनमें अरबों रुपये के खजाने भरे पड़े हैं। हालांकि इन खजानों तक अभी तक कोई पहुंच नहीं सका है। इसके अलावा इन किलों में बहुत सारे रहस्य छिपे हुए हैं। देश में एक ऐसा ही किला है, जहां अरबों रुपये के खजाने छिपे हुए हैं। सिर्फ यही नहीं इस किले का रहस्य लोगों को हैरान करने वाला है। प्राचीन समय में भारत में राजा और रजवाड़े रहते थे। भारत को इसीलिए राजा और रजवाड़ों का देश कहा जाता है। इन्हीं राजाओं के देश में कई ऐसे किले हैं, जो किसी ना किसी वजह से दुनियाभर में मशहूर हैं। एक ऐसा ही किला हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले में स्थित है, जिसका रहस्य आजतक बना हुआ है।

इस रहस्यमयी किले के बारे में मान्यता है कि यहां एक ऐसी जगह है, जहां अरबों रुपए का खजाना छिपा हुआ है। बताया जाता है कि इस खजाने तक आजतक कोई पहुंच नहीं सका है। हमीरपुर के इस किले को सुजानपुर किले के नाम से जाना जाता है। इस किले में खजाना छिपा हुआ होने की वजह से इसे खजांची किला भी कह जाता है। बता दें कि किले को 263 साल पहले यानी साल 1758 में कटोच वंश के राजा अभय चंद ने बनवाया था। इसके बाद यहां राजा संसार चंद ने राज किया था। किले के बारे में कहा जाता है कि राजा संसार चंद का इस किले में अभी भी खजाना मौजूद है। खजाने के रहस्य से अबतक पर्दा नहीं उठ पाया है। इस खजाने तक अब तक कोई पहुंच भी नहीं सका है।

इस किले के बारे में कहा जाता है कि इसके अंदर पांच किलोमीटर लंबी एक सुरंग है। हालांकि इस सुरंग के अंतिम छोर तक अभी तक कोई जा नहीं सका है। सुरंग का रास्ता भी काफी तंग है। यह अंधेरे से भरा हुआ है। बताया जाता है कि इस सुरंग के अंदर 100 मीटर से ज्यादा तक जाने के बारे में कोई सोचता भी नहीं है। किले के पास रहने वाले ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय किले से अजीब-अजीब सी आवाजें आती हैं। गांव के लोगों का कहना है कि खजाने की रक्षा करने के लिए किले में रूहानी ताकतें मौजूद हैं। हालांकि, इसके कोई भी पुख्ता सबूत नहीं हैं। बताया जाता है कि राजा संसार इस सुरंग का उपयोग लूटे हुए खजाने को छुपाने के लिए करते थे। इस सुरंग में एक गुप्त रास्ता बना हुआ है। यह सीधे खजाने तक जाता है। हालांकि इस खजाने के लिए बहुत से लोगों ने खुदाई की है, लेकिन उनके हाथों में नाकामी ही लगी है। राजा के परिवार तक को इस खजाने का रहस्य नहीं पता था।

रूस ने 19 साल की लड़की को घोषित किया आतंकी

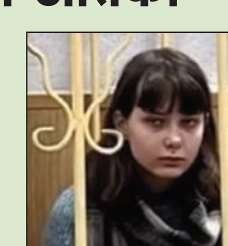

और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को करीब एक साल होने वाले हैं। शुरुआत में संभावना जताई जा रही थी कि रूस से यूक्रेन हार मान लेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। युद्ध के मैदान में रूस यूक्रेन के सामने सीना तानकर खड़ा है। दुनिया में अधिकतर लोग यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए रूस की आलोचना करते हैं। लेकिन रूस ने यूक्रेन हमले का विरोध करने वाली एक लड़की के खिलाफ ऐसा कदम उठाया है जिसकी पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है। दरअसल रूस ने यूक्रेन हमले का विरोध करने वाली 19 साल लड़की को आतंकी घोषित कर दिया है। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि रूस ने लड़की का नाम आईएसआईएस, अल-कायदा और तालिबान जैसे खतरनाक आतंकी संगठनों सूची में डाल दिया है। इस लड़की का नाम ओलेसा क्रिवत्सोवा है जो अपनी मां के साथ रूस के अर्खांगेलस्क शहर में रहती है। ओलेसा ने 8 अक्टूबर, 2022 को यूक्रेन के रूस पर हमले के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की थी। इसी दिन यूक्रेन ने रूस के कर्च ब्रिज को उड़ाया था। यह ब्रिज रूस को क्रीमिया से जोड़ता है। ओलेसा ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में यूक्रेन पर रूस के हमले का विरोध किया था। इसके साथ ही उसने रूस की सेना का मजाक भी उड़ाया था। इस पोस्ट के बाद 19 साल की ओलेसा को घर में नजरबंद कर दिया गया था। ओलेसा को नजरबंद के बाद उसके पैर में एक ट्रैकर लगा दिया गया। इसकी मदद से उसके हर कार्य पर नजर रखी जाती है। नजरबंद होने के बाद ओलेसा ने अपने पैर पर एक स्पाइडर का टैटू बनवाया जिसमें उसने स्पाइडर के चेहरे को पुतिन के चेहरे से बदल दिया है और इस पर लिखा है- बिग ब्रदर इज वॉचिंग यू। क्रिवत्सोवा ओलेसा पर रूसी सेना का अपमान करने का आरोप है। लड़की के वकील ने जानकारी दी कि उसे तीन से सात साल तक सजा सुनाई गई है, लेकिन सजा को कम कराने की कोशिश का जा रही है। फिलहाल लड़की को नजरबंद कर रखा गया है।

दिल्ली के साथ सौतेला बर्ताव, महंगाई बढ़ाने वाला बजट : सीएम केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा पेश आम बजट पर दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक बार फिर आरोप लगाया है कि पहले की तरह फिर दिल्ली के साथ केंद्र ने सौतेला व्यवहार किया है। केजरीवाल ने ट्वीट किया है, दिल्ली वालों के साथ फिर से सौतेला बर्ताव। दिल्ली वालों ने पिछले साल 1.75 लाख करोड़ से ज़्यादा इनकम टैक्स दिया। उसमें से मात्र 325 करोड़ रुपये दिल्ली के विकास के लिए दिए। ये तो दिल्ली वालों के साथ घोर अन्याय है।

1.75 लाख करोड़ से ज्यादा इनकम टैक्स दिया दिल्ली वालों ने पिछले साल

325 करोड़ रुपये दिल्ली के विकास के लिए दिए जो घोर अन्याय है

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि इस बजट में महंगाई से कोई राहत नहीं है। उल्टे इससे महंगाई बढ़ेगी। बेरोजगारी दूर करने की कोई ठोस योजना नहीं है। शिक्षा बजट घटाकर 2.64 फीसदी से 2.5 फीसदी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। स्वास्थ्य बजट घटाकर 2.12 फीसद से 1.98 फीसद करना हानिकारक है। केंद्रीय बजट से इस बार दिल्ली सरकार को काफी उम्मीद थी, लेकिन निराशा हाथ लगी। आम आदमी पार्टी शासित दिल्ली सरकार का मानना है कि दिल्ली की दो करोड़ आबादी के साथ अभी तक सौतेला व्यवहार होता रहा है। जबकि, दिल्ली को बजट में केवल 325 करोड़ रुपए मिलते रहे हैं।

इस बार केंद्रीय करों में से मिलने वाली राशि में बढ़ोतरी होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जबकि दिल्ली के लोग 1.75 लाख करोड़ रुपये का टैक्स केंद्र सरकार को देते हैं।

बजट पर तमाम राज्यों के वित्तमंत्री और केंद्रशासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों से हुई बैठक में दिल्ली के वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने भी केंद्र सरकार से बजट में दिल्ली को पर्याप्त फंड देने की मांग की थी। उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री सिसोदिया का कहना है कि केंद्र सरकार ने पिछले साल भी एक रुपए की बढ़ोतरी नहीं की थी। एमसीडी को एक रुपया नहीं दिया था। वहीं देश के अन्य नगर निगमों के लिए दो लाख करोड़ दिए गए थे। इस बार नगर निगम नए स्वरूप में काम करेगा।

सरकार ने विभिन्न परियोजनाओं को गति देने के लिए मिलने वाली अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को गत वर्ष शून्य कर दिया था। इस बार इस मद में कितना मिला है यह आंकड़े स्पष्ट नहीं हैं। जी-20 शिखर सम्मेलन होने हैं इस मद में दिल्ली सरकार को भी कई योजनाओं पर काम करना है।

प्रदेश में सूदखोरी के मामलों में कठोर कार्यवाही की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अधिकार सेना ने बलिया के व्यवसाई नंदलाल गुप्ता आत्महत्या प्रकरण को उत्तर प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन की घोर लापरवाही और नाकामयाबी बताया है।

अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में यूपी रेगुलेशन ऑफ मनी लेंडिंग एक्ट 1976 लागू है। इस एक्ट में बिना लाइसेंस सूदखोरी का धंधा करने पर रोक है और अधिकतम ब्याज दर भी निर्धारित है। इसका उल्लंघन किए जाने पर सजा का भी प्रावधान है। डीजीपी, यूपी में 2008 और 2016 सहित बार-बार प्रदेश के समस्त पुलिस अफसरों को इसका कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए हैं।

इसके बाद भी बलिया सहित पूरे प्रदेश में तमाम लोग बिना लाइसेंस के सूदखोरी का धंधा कर रहे हैं और भारी ब्याज पर पैसा दे रहे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन मिलीभगत के कारण पूरी तरह मौन है। अमिताभ ठाकुर ने इन कानूनों का बलिया सहित पूरे प्रदेश में पूर्ण पालन कराए जाने की मांग की है। उन्होंने इस घटना के लिए जिम्मेदार पुलिस व प्रशानिक अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है।

केन्द्र सरकार ने अपने बजट में हमारी नकल की : नीतीश कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार उनकी नकल करती है। उन्होंने बजट में सप्तऋषि' को अपनी सात निश्चय योजना का नकल करार देते हुए कहा कि बिहार सरकार की तर्ज पर सात प्राथमिकताएं तो बनाकर दिखा दिया, लेकिन राशि का प्रावधान ही नहीं किया। समाधान यात्रा की व्यस्तता के बाद शाम में मुख्यमंत्री ने बजट को पढ़ा, फिर प्रतिक्रिया दी।

मुख्यमंत्री ने पहले बिहार की नल-जल योजना की भी नकल का आरोप लगाया था और केंद्रीय योजना को बिहार में लाने से मना कर दिया था। बुधवार रात केन्द्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने इसे निराशाजनक कहा। कहा कि इसमें दूरदृष्टि का अभाव है। हर वर्ष बजट की प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। फोकस और निधि के अभाव में योजनाएं पूरी नहीं हो पा रही हैं। बिहार को इस बजट से निराशा हाथ लगी है और एक बार फिर विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की अनदेखी की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समावेशी विकास के तहत बिहार सरकार ने केंद्रीय बजट (2023-24) की ओर से वित्त मंत्रियों की बैठक में राज्य के लिए 20 हजार करोड़ रुपये के स्पेशल पैकेज की मांग की थी। इसपर चर्चा तक नहीं की गई।

विधायक निधि मामले में मुख्तार अंसारी की वीडियो कांफ्रेंसिंग से हुई पेशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधायक निधि के मामले में मुख्तार अंसारी की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बांदा जेल से बुधवार को पेशी हुई। मामले मे साक्ष्य की कार्यवाही होनी है। लेकिन कोई गवाह कोर्ट में उपस्थित नहीं हुआ। एसीजेएम एमपी एवं एमएलए श्वेता चौधरी ने मामले में 15 फरवरी की तिथि तय की।

मामला सरायलखंसी थाना क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार विधायक निधि के गबन के मामले में तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक राम सिंह की तहरीर पर सरायलखंसी थाने मे एफआईआर दर्ज हुई। मामले में मुख्तार अंसारी, आनंद, बैजनाथ यादव और संजय सागर को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने विवेचना के बाद आरोप पत्र कोर्ट में प्रेषित कर दिया है। इसमें साक्ष्य की कार्यवाही चल रही है। बुधवार को वादी मुकदमा निरीक्षक रामसिंह की जिरह होनी थी। लेकिन वह कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। एसीजेएम एमपी एवं एमएलए श्वेता चौधरी ने साक्ष्य के लिए 15 फरवरी की तिथि तय की है।

गहने और रुपये लेकर भाग रही लुटेरी दुल्हन पहुंची जेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। शादी के नाम पर युवती ने लखनऊ के रहने वाले युवक से 80 हजार रुपये ले लिए। शादी करने के लिए युवक पिता के साथ गोरखपुर पहुंचा तो मंदिर में शादी रचाने के बाद दुल्हन गहने बटोर भाग निकली, लेकिन दूल्हे ने परिजनों की मदद से उसे पकड़ कर कैंट थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

लखनऊ के मड़ियांव थानाक्षेत्र स्थित भरत नगर के शिवा वर्मा निजी कंपनी में काम करते हैं। गोरखपुर के युवक से जान-पहचान होने पर उसने शिवा वर्मा को अपने रिश्तेदार से मिलवाया। उसने शादी कराने का भरोसा देकर शिवा के वाट्सएप पर एक युवती की फोटो भेजी। पूछने पर बताया कि गुलरिहा के खुटहन गांव की रहने वाली मीना निषाद बहुत ही गरीब है। उसके मां-बाप के पास शादी करने के लिए रुपये नहीं है। शादी में एक लाख रुपये खर्च होंगे। फोटो पसंद आने पर शिवा ने शादी के लिए हामी भर दी और युवती से मिलने गोरखपुर आया।

आरोप है कि शादी की तैयारी करने के लिए उसने युवती को 80 हजार रुपये दे दिए। मंगलवार को मंदिर में शादी होनी थी। शिवा ने कैंट थाना पुलिस को बताया कि वह पिता के साथ गोरखपुर पहुंचा तो बस स्टेशन पर मीना अकेले मिली। पूछने पर बताया कि माता-पिता गांव के मंदिर पर शादी की तैयारी कर रहे हैं। वहां चलने के लिए कहने पर गहने और 20 हजार रुपये मांगने लगी। मना करने पर स्टेशन के पास मंदिर में शादी करने के बाद लखनऊ जाने के लिए बस में बैठ गई। कुछ देर बाद बैग में रखे गहने निकालकर वह भागने लगी। जानकारी होने पर युवक ने उसे पकड़ लिया। प्रभारी निरीक्षक थाना कैंट शशिभूषण राय ने बताया कि युवती के विरुद्ध जालसाजी कर रुपये हड़पने व चोरी करने का मुकदमा दर्ज कर किया गया है।

बर्फीली हवाओं के चलने से प्रदेश में सर्द रहेगा मौसम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पहाड़ों पर बर्फबारी होने और उत्तर पश्चिमी दिशा से सर्द हवा चलने से गुरुवार सुबह मौसम सर्द रहा। बुधवार को भी न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सुबह से सर्द हवा चलने से शहरवासियों की कंपकंपी छूट गई। वहीं दोपहर में गुनगुनी धूप होने से लोगों को आंशिक राहत महसूस होने की उम्मीद है। मौसम विज्ञानी का दावा है कि फरवरी माह के पहले सप्ताह में सुबह और शाम को शीतलहर चलने से लोगों को सर्दी का अहसास होता रहेगा।

सुबह और शाम को घना कोहरा छाने के आसार हैं। सीएसए कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान केंद्र में बुधवार को अधिकतम तापमान 20.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पूरे दिन में उत्तर पश्चिम दिशा से 9.3 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलती रही। मौसम विज्ञानी के डा. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है। वहां से इस सप्ताह कानपुर मंडल में सर्द हवा आती रहेगी। गुनगुनी धूप रहेगी।

बर्फीली हवा चलने से अधिकतम व न्यूनतम तापमान में उतार चढ़ाव बना रहेगा। रात का न्यूनतम पारा करीब 10 डिग्री सेल्सियस और दिन का अधिकतम तापमान करीब 22-24 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं। आगामी दिनों में किसी तरह के विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना काफी कम हैं। उन्होंने बताया कि अब आगे वर्षा के आसार नहीं हैं, इसलिए किसानों को फसलों पर सिंचाई के लिए ध्यान देना होगा।

आगरा में मौसम लगातार करवट ले रहा है। तेज धूप की संभावना व्यक्त करने के बाद अब मौसम विभाग धुंध की चादर बिछने की सूचना भी दे रहा है। सात फरवरी तक कोहरा छाएगा। बुधवार को तेज धूप निकली लेकिन हवा में ठंडक रही। बुधवार को अधिकतम तापमान 22.5 और न्यूनतम 10.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार से हल्की धुंध छाएगी। तापमान में न वृद्धि होगी और न ही गिरावट आएगी। ठंडी हवा चलती रहेगी। बरेली में दो दिन पहले निकली धूप से लोगों को राहत थी। मौसम विभाग भी पांच फरवरी तक लगातार धूप निकलने का अनुमान लगा रहा था। मगर बुधवार सुबह ही अचानक से मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह से ही काले बादलों के साथ ठंडी हवाएं चलने लगी। काले घने बादलों को देखकर लोग वर्षा का अनुमान लगा रहे थे। मगर दोपहर में निकली तेज धूप ने चेहरे पर खुशी ला दी।

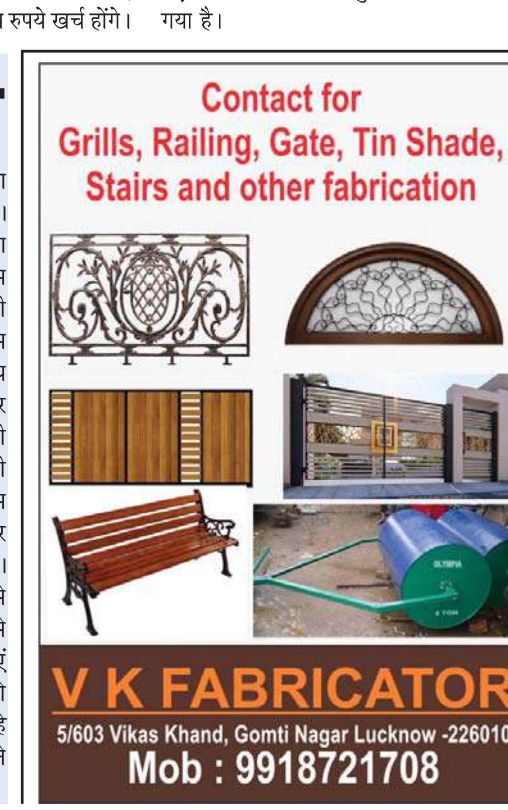

28 महीने बाद लखनऊ जेल से रिहा हुए केरल के पत्रकार कप्पन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज लखनऊ की जेल से पत्रकार सिद्दीकी कप्पन को रिहाई मिल गयी है। बता दें पत्रकार कप्पन पर देशद्रोह समेत कई आरोपों के चलते उनको गिरफ्तार किया गया था। पत्रकार सिद्दीकी पूरे 2 साल 3 महीना 26 दिन जेल में बिताने के बाद आज जेल से बहर आए हैं। साल 2020 में मथुरा टोल प्लाजा से सिद्दीकी कप्पन समेत चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

वहीं यूपी पुलिस का आरोप था कि पत्रकार कप्पन समेत अन्य चार लोग दंगों को हवा देने की तैयारी कर रहे थे। कप्पन पर हाथरस केस में जनता को भड़काने का भी आरोप लगाया गया था। हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच से बीते 23 दिसंबर को सिद्दीकी कप्पन को ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग केस में जमानत मिली थी। उन्हें 2 साल 3 महीना 26 दिन जेल में बिताने बाद

आज रिहाई मिली है। वहीं केरल के पत्रकार सिद्दीकी कप्पन ने कहा कि मैं 28 महीने बाद जेल से बाहर आया हूं। मुझे सपोर्ट करने के लिए मैं मीडिया का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। मुझ पर झूठे आरोप लगाए गए। मैं अब बाहर आकर खुश हूं।

पूरा मामला

पांच अक्टूबर 2020 को हाथरस में हिंसा भड़काने की साजिश रचने के आरोप में मथुरा पुलिस ने कप्पन समेत पांच को पांच लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वहीं कप्पन का कहना है कि वो हाथरस केस में लड़की के साथ हुई बलात्कार की घटना को कवर करने जा रहे थे तभी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। बता दें मथुरा जेल से उसे 21 दिसंबर 2021 को लखनऊ जिला जेल में शिफ्ट किया गया। कप्पन तब से जिला जेल लखनऊ मे बंद था।

अधिकार समूह के नेता की सरेराह हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मदुरै में एक हिंदूवादी नेता की चाकू घोंपकर निर्मम हत्या कर दी गई। हिंदू मक्कल काची कार्यकर्ता की अज्ञात व्यक्तियों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान मणिकंदन (41) के रूप में हुई है। वह ज्वैलरी की दुकान बंद कर घर जा रहे थे तो तभी कुछ लोगों ने चाकू मारकर हत्या कर दी।

मृतक मणिकंदन स्थानीय हिंदू अधिकार समूह के दक्षिणी मदुरै के कार्यकर्ता थे। मणिकंदन की एमके पुरम में एक आभूषण की दुकान है। जैसे ही वो अपनी दुकान बंद करके निकल रहे थे तो तभी बदमाशों ने उनपर हमला कर दिया और फरार हो गए। हिंदूवादी नेता पर हमलावरों ने पहले चाकू से हमला किया और बाद में पत्थर भी मारे। मणिकंदन को इसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। स्थानीय पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। पुलिस को अभी तक हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है और न ही कोई हमलावर अभी गिरफ्तार किया गया है।

बिना इंजन पटरी पर दौड़ीं सत्याग्रह एक्सप्रेस की 18 बोगियां,

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेतिया। नरकटियागंज-मुजफ्फरपुर रेलखंड पर गुरुवार सुबह बड़ी दुर्घटना होते-होते टल गई। मझौलिया-बेतिया रेलवे स्टेशन के बीच महोद्दीपुर रेल गुमटी के पास 15273 सत्याग्रह एक्सप्रेस ईंजन कई बोगी छोड़कर चली गई। बोगियां बिना इंजन के पटरी पर दौड़ने लगी।

15273 सत्याग्रह एक्सप्रेस ईंजन और चार बोगी लेकर चल गई, शेष बोगियां बगैर ईंजन के रेल पटरी पर दौड़ने लगी। हालांकि, चार बोगी को लेकर ईंजन अभी 100 मीटर आगे बढ़ी थी कि चालक को इसकी जानकारी लग गई। चालक ने आपातकाल ब्रेक लगा कर ईंजन समेत चार बोगियों को रोका। उसके बाद फिर से सभी बोगियों को जोड़कर ट्रेन का परिचालन शुरू किया गया। इस दौरान करीब 15 मिनट तक ट्रेन रेल फाटक के समीप खड़ी रही। मामले को लेकर यात्रियों ने हंगामा भी

किया। बताया जाता है कि बोगियों को कनेक्ट करने के लिए लगाए गए कपलिंग के अचानक टूट जाने के कारण यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि रक्सौल-आनंद बिहार सत्याग्रह एक्सप्रेस रक्सौल से निर्धारित समय पर खुली थी। गुरुवार सुबह करीब नौ बजे के आसपास महोद्दीपुर रेल गुमटी के पास पहुंची थी। ट्रेन में सवार यात्री राकेश कुमार ने बताया कि मझौलिया से ट्रेन खुली थी, तो रूक-रूक कर हिचकोले खा रही थी लेकिन चालक ने ध्यान नहीं दिया। महोद्दीपुर गुमटी पर पहुंचते हीं जोर का झटका लगा और ईंजन समेत चार बोगी लेकर पायलट चला गया। जबकि 18 बोगियां ट्रैक पर यूं ही रेंगने लगी।

अराजकतत्वों ने कश्मीरियों के मेवे गोमती में फेंके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में ड्राई फ्रूट्स बेचने वाले कश्मीरी युवकों से कार सवार युवक युवतियों ने मारपीट की है। उनका लाखों का समान गोमती नदी में फेंक दिया। कश्मीरी युवकों का आरोप है कि कश्मीर से वो अपने कॉलेज की फीस जमा करने के लिए दो पैसे कमाने आते हैं लेकिन लोग उन्हें ऐसा करने नहीं दे रहे है। वहीं पुलिस के मुताबिक, ये मामला दो कस्टमर के बीच का था, जिसमें से एक ने इन युवकों का समान फेंक दिया।

कश्मीर के कुलगाम के रहने वाले मोहसिन ने बताया कि गुरुवार को वो रोज की ही तरह समान बेच रहे थे। पहले पुलिस आई और उन्हें प्यार से अपना समान हटाने के लिए कहा। कुछ देर बाद ही एक कार से कुछ युवक युवती आए और खुद को नगर निगम का बताते हुए उनका समान गोमती नदी में फेंक दिया। वहां मौजूद एक वकील ने जब इसका विरोध किया तो वे अपनी गाड़ी छोड़ कर मौके से फरार हो गए।

राम जन्मभूमि पर बम ब्लास्ट की धमकी से सनसनी, मुकदमा दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या में रामकोट स्थित रामलला सदन मंदिर में रहने वाले एक युवक के फोन नंबर पर गुरुवार की सुबह एक अज्ञात कॉल आई जिसने फोन करके राम जन्मभूमि को उड़ाने की बात कही। युवक ने इसकी सूचना तत्काल थाना राम जन्मभूमि पुलिस को दी। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

थाना राम जन्मभूमि के प्रभारी संजीव कुमार सिंह ने मामले में मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि रामलला सदन में रहने वाले मनोज कुमार जो कि वर्तमान में प्रयागराज माघ मेले में हैं। आज सुबह करीब पांच उनके मोबाइल पर एक फोन आया जब मनोज ने उनसे पूछा कि आप कौन हैं और कहां से बोल रहे हैं तो फोन करने वाले ने कहा की मैं दिल्ली से बोल रहा हूं आज सुबह दस बजे तक राम

जन्मभूमि उड़ा दूंगा। इसकी सूचना मनोज द्वारा थाना राम जन्मभूमि पुलिस को दी गई, जिसमें तत्काल मुकदमा दर्ज करते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। राम जन्म भूमि को बम से उड़ाने की धमकी के बाद पूरे राम जन्मभूमि क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। प्रवेश मार्गों पर चेकिंग अभियान भी शुरू करा दिया गया है। जिस नंबर से फोन किया गया था उस नंबर को ट्रेस कर अन्य जानकारी जुटाई जा रही है।

राजपाल को पिछड़ा वर्ग का अध्यक्ष तो रीबू को मिली सपा महिला सभा की जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने तीन प्रकोष्ठ के पुनर्गठन का आदेश जारी किया है। समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के गठन के बाद से यह बड़ा निर्णय लिया गया है। पार्टी अध्यक्ष अध्यक्ष अखिलेश यादव के आदेश पर प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने इस संबंध में आदेश जारी किया। तीन प्रकोष्ठ के गठन में हाल में ही समाजवादी पार्टी में वापसी करने वाले शिवपाल यादव का जलवा दिखा है। महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष के तौर पर उनके करीबी उम्मीदवार को पद दिए जाने की चर्चा तेज हो गई है।

समाजवादी पार्टी की ओर से

पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ को पुनर्गठित किया गया है। समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का अध्यक्ष एक बार फिर राजपाल कश्यप को बनाया गया है। वहीं, व्यासजी गौड़ को सपा अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों को पूरा करती दिख रही है। इस क्रम में समाज के सभी वर्गों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस क्रम में सरकार के स्तर पर विशेष रूप से कार्य किया जा रहा है।

सपा ने अपने फ्रंटल विंग्स के प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा के जरिए विभिन्न सेक्शन में पार्टी को मजबूत बनाने की कोशिश तेज कर दी है। सपा महिला सभा की जिम्मेदारी रीबू श्रीवास्तव को दी गई है। रीबू श्रीवास्तव को हाल ही में समाजवादी पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बनाए गए शिवपाल यादव का करीबी माना जाता है। उनकी नियुक्ति को पार्टी में शिवपाल यादव की बढ़ती सक्रियता के रूप में लिया जा रहा है।

मुरादाबाद में अखिलेश के प्लेन को लैंड करने की नहीं मिली अनुमति

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के लिए गुरुवार को मुरादाबाद में प्लेन लैंड करने की अनुमति नहीं मिली। इससे बौखलाई समाजवादी पार्टी ने कहा है कि भाजपा के अहंकार का जल्द अंत होगा। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत दिनांक 4 फरवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुरादाबाद में एक समारोह में सम्मिलित होना था लेकिन योगी सरकार प्लेन को लैंड होने की अनुमति नहीं दे रही है। यह बेहद निंदनीय कृत्य है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।